नागरिकशास्त्र

(CIVICS)
UP.-TGT & PGT

संपादित एवं संकलित द्वारा

अमिता गाँधी

सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य

खालसा प्राथमिक विद्यालय, प्रताप नगर

दिल्ली

SPORTS PUBLICATION

Publisher & Distributor

खेल और शारीरिक शिक्षा की पुस्तकों के भारत

के प्रथम प्रकाशक और एशिया के सबसे बड़े स्टॉकिस्ट

7/26, ग्राउण्ड फ्लोर, अंसारी रोड़ दरिया गंज, नई दिल्ली-110002

दूरभाष : +91-9999146721, 9868028838, : 011-23240261

इमेल: info@sportspublication.net

वेबसाइट: www.sportspublication.net

Published by:
खेल और शारीरिक शिक्षा की पुस्तकों के भारत
के प्रथम प्रकाशक और एशिया के सबसे बड़े स्टॉकिस्ट
7/26, ग्राउण्ड फ्लोर, अंसारी रोड़ दरिया गंज, नई दिल्ली-110002
दूरभाष : +91-9999146721, 9868028838
इमेल: info@sportspublication.net
वेबसाइट: www.sportspublication.net

© 2022 प्रकाशक

ISBN : 978-93-93781-16-1

भारत में प्रकाशित 2022

इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरूत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनप्राप्ति के प्रयास अथवा किसी भी तकनीकी तरीके: इलैक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वैब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना वितरित नहीं किया जा सकता है। प्रकाशक तथा लेखक ने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्त्रोतों से प्राप्त किया है। पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए प्रकाशक, सम्पादक, लेखक या मुद्रक जिम्मेदार नहीं है। सभी विवादों और दावों का निपटारा केवल 1940 के भारतीय मध्यस्थता अधिनियम के अन्तर्गत दिल्ली न्यायालय में किया जाएगा।

मुद्रक:
ओम साई प्रिंटर्स एण्ड बाइंड्र्स
दिल्ली

मूल्य: ₹ 180/-

पाठ्यक्रम

प्रशिक्षित स्नातक

विषय : नागरिकशास्त्र–2022

राजनीतिक सिद्धान्त–राजीतिकशास्त्र–परिभाषा, विषय क्षेत्र एवं अध्ययन पद्धतियाँ, *राज्य*–परिभाषा, तत्व राज्य की उत्पत्ति के विभिन्न सिद्धान्त, राजनीतिक अवधारणाएँ, सम्प्रभुता–अर्थ, प्रमुख विशेषताएँ, सम्प्रभुता के प्रकार, एकलवादी एवं बहुलवादी सिद्धान्त, कानून–परिभाषा, कानून के स्रोत, कानून और नैतिकता, स्वतंत्रता, समानता, अधिकार, न्याय, *राजनीतिकवाद*–व्यक्तिवाद, उदारवाद, प्रत्ययवाद, अराजकतावाद, फॉसीवाद, वैज्ञानिक समाजवाद प्रजातंत्र एवं अधिनायकतंत्र। *राजनीतिक* दर्शन–प्लेटों, अरस्तू, हाब्स, लाक, मान्टूस्क्यू, रूसो, जे.एस. मिल, कार्लमार्क्स, लेनिन, माओत्सेतुंग, मनु, कौटिल्य, गांधी, नेहरू, डॉ. अम्बेडकर, लोहिया और जय प्रकाश नारायण के राजनीतिक दर्शन।

तुलनात्मक राजनीति–*संघवाद*–प्रमुख तत्व, प्रवृत्तियाँ एवं समस्याएँ, नागरिकों के मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य, *व्यवस्थापिका*–संरचना कार्य एवं स्वतंत्रता, नौकरशाही–कार्य, महत्व, प्रतिबद्धता एवं तटस्थता, निर्वाचन पद्धति–समस्याएँ एवं समाधान। राजनीतिक दल–दल दबाव समूल तथा लोकमत उपर्युक्त अवधारणाओं का अध्ययन भारत, ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस एवं चीन के विशेष संदर्भ में।

अन्तर्राष्ट्रीय *राजनीति*–सिद्धान्त एवं *व्यवहार*–प्रमुख अवधारणाएं–शक्ति संतुलन, सामूहिक सुरक्षा, राष्ट्रीय हित, मुख्य *प्रवृत्तियाँ*–शीतयुद्ध, तनाव, शैथिल्य, असंलग्नता आन्दोलन (नैम), *अन्तर्राष्ट्रीय* संस्थाएँ एवं संगठन–संयुक्त राष्ट्र संघ एवं उसके अभिकरण, आसियान, सार्क प्रमुख *मुद्दे*–निशस्त्रीकरण, नव अन्तर्राष्ट्रीय, आर्थिक व्यवस्था, उत्तर–दक्षिण वार्ता, दक्षिण सहयोग, तृतीय विश्व–अवधारणा एवं समस्याएं, विदेशी नीति–भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन।

भारतीय लोक प्रशासन–सिद्धान्त एवं व्यवहार–*प्रशासकीय व्यवहार*–निर्णय करना, नेतृत्व के सिद्धान्त, सम्प्रेषण अभिप्रेरणा, संगठन की संरचना, मुख्य कार्यपालिका, सूत्र स्टाफ एवं सहायक अभिकरण, विभाग निगम एवं स्वतंत्रता नियमकीय आयोग, कार्मिक प्रशासन, नौकरशाही भर्ती, प्रशिक्षण पदोन्नति, प्रशासन में सचरित्रता, *उत्तरदायित्व* एवं *नियंत्रण*–संसदीय नियंत्रण के अस्त्र के रूप में बजट, प्रशासन पर विधायकीय, कार्यपालिका एवं न्यायिक नियंत्रण, प्रशासकीय सुधार।